om-13 final_Page 1 and 2 07-10-2014 20:59 Page 2

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -15 अंक-13 अक्टूबर-I, 2014 (पाक्षिक) माउण्ट आबू ₹ 8.00

भारत में बढ़ते हृदय रोग पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता, हृदय रोग होने से पहले ही करें बचाव

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के शांतिवन परिसर में शुक्रवार को देश दुनिया के कार्डियोलॉजिस्ट के महा - सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। मध्य प्रदेश के राज्यपाल रामनरेश यादव ने इस सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए विशेषज्ञों से ऐसे रिसर्च और खोज करने का आह्वान किया जिसके ज़रिए हृदय रोग का समुचित इलाज सस्ती दरों पर हो सके। इसके साथ ही उन्होंने इस रोग की रोकथाम ढूंढ़ने का भी आह्वान किया।

त्रीदिवसीय महासम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय क्लिनिकल प्रिवेन्टिव कार्डियोलॉजी एंड इमेजिंग महासम्मेलन में भारत, जापान, अमेरिका, मलेशिया, यू.एस.ए., जर्मनी लीबिया, दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों के नामचीन पंद्रह सौ से भी अधिक हृदयरोग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति कई मायनों में अहम है। यहाँ की जीवनशैली ना केवल रोग प्रतिरोधक के रूप में है बल्कि एक कवच के रूप में भी है। पहले के ज़माने में लोग इसी जीवनशैली के साथ जीवन व्यतीत करते थे जिस कारण इस तरह की बीमारियों से दूर रहते थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस पर श्रेष्ठ और स्वस्थ समाज के लिए शिक्षकों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। हृदय रोग एक घातक बीमारी है जिसके प्रहार से कम समय में ही व्यक्ति इस दुनिया से चला जाता है। इसलिए ऐसी भयानक बीमारी के रोकथाम के लिए ज़रूरी है कि चिकित्सकों की सलाह और इलाज किसी प्रकार की दवा या ऑपरेशन नहीं है बल्कि इसके लिए जीवन में बदलाव लाना होगा।

हृदयरोग संस्थान के साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. एस.के. परासर ने कहा कि आज भागदौड़ और व्यस्त जीवनशैली से हमारी युवा पीढ़ी भी कम उम्र में ही हृदय रोग की ओर बढ़ रही है। प्रतिवर्ष पूरे भारत में एक करोड़ लोगों की मौत हृदय रोग से हो रही है। आज भारत हृदय रोग की राजधानी बनता जा रहा है जो हमारे लिए चिंता की बात है।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने संयमित दिनचर्या को जीवन में अपनायें। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मार्क क्रेज़र ने कहा कि जितनी हमने सकारात्मक जीवनशैली बदली उतना ही नई बीमारियों को दावत देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हृदय रोग का स्थायी कहा कि रोगों से बचाव का एक ही साधन है कि हम सात्विक जीवन जीएं और मेडिटेशन का अभ्यास करें। जब हमारा मन शक्तिशाली होगा तभी शरीर में रोगों से लड़ने की शक्ति आयेगी।

संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान और मेडिटेशन से हृदय रोगियों को जो लाभ मिलता है वो दवाओं के सेवन से नहीं मिल सकता। हार्ट एसोसिएशन तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. एस.के. चोपड़ा ने कहा कि हम अपने हार्ट को तभी स्वस्थ रख पाएंगे जब हमारे जीवन में दिव्यता होगी। स्वच्छ वातावरण में ही हमारे मन में अच्छे विचार आते हैं और शरीर स्वस्थ रहता है।

शांतिवन। मध्य प्रदेश के राज्यपाल रामनरेश यादव तथा दादी हृदयमोहिनी कार्यक्रम का उद्घाटन करने के पश्चात् परमात्म समृति में खड़े हैं। साथ हैं ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु. डॉ. सतीश गुप्ता, डॉ. बनारसी लाल शाह, डॉ. चोपड़ा, डॉ. मार्क क्रेज़र, डॉ. मनचंदा, ब्र.कु.मुन्नी, ब्र.कु.अवधेष,भोपाल तथा अन्य।

शांतिवन। डॉ. मार्क क्रेज़र को सम्मानित करते हुए राज्यपाल रामनरेश यादव। साथ हैं ब्र.कु. डॉ. सतीश गुप्ता, डॉ. चोपड़ा तथा अन्य।

नई दिल्ली। महामहिम राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.पुष्पा। साथ हैं ब्र.कु. सविता तथा अन्य।

राजनीति में राजयोग का समावेश समय की मांग

ज्ञानसरोवर। राजनीतिज्ञ प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.बृजमोहन ने ब्रह्माकुमारीज़ राजनीतिज्ञ प्रभाग द्वारा 'राजनेताओं का आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हमारे देश की दशा विचित्र है, धनवान और धनवान बन रहा है तथा गरीब और गरीब बनता जा रहा है। अब चारों ओर घोर अंधियारा छाया हुआ है। द्रोपदियाँ पुकार रही हैं। इस स्थिति को क्या कोई इंसान ठीक कर सकता है? प्रयत्न अनेक किये गये और किये भी जा रहे हैं मगर परिस्थिति बदल नहीं रही है। विश्व में छाये इस अंधकार को सिर्फ परमात्मा ही दूर कर सकते हैं, कोई और नहीं। आज के इस जमाने में घर के चार व्यक्ति भी मिल कर नहीं रह पाते जबकि इस संस्थान में पूरी दुनिया के अनेक लोग मिलकर प्रेम से रह रहे हैं। आज सभी राजनीतिक पार्टियों के लोग मिलकर स्वर्णिम भारत निर्माण के लिये एक जुट हो जाएं, विरोध भुला कर एकता स्थापित करें एवं भारत का कल्याण करें। सत्यमेव जयते तब होगी जब सत्य को अपनाएंगे। सत्य है कि हम सभी शरीर नहीं आत्मा हैं जो अजर एवं अमर है। यह शाश्वत है। हमारे सारे मूल्य भी शाश्वत हैं जिनका निवास आत्मा में ही है। शरीर तो नाशवान है। आत्मा को जानें, खुद को जानें।

ब्र.कु.शारदा, अहमदाबाद ने आए हुए सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि परमपिता परमात्मा इस संस्थान के माध्यम से यहाँ के सभी विद्यार्थियों को आध्यात्मिक नेतृत्व प्रदान कर रहें है

इंद्रबहादुर, सांसद नेपाल ने अपनी शुभकामनाएं सम्मेलन को दीं।

अमर प्रसाद सत्पथी,पूर्व मंत्री उड़ीसा शासन एवं वर्तमान विधायक तथा स्टैंडिंग कमेटि के अध्यक्ष ने कहा कि यह विश्वविद्यालय राजनेताओं के आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिये जो प्रयास कर रहा है उसका लाभ हम सभी को अवश्य ही प्राप्त होगा। यहाँ के भाई बहनें शांति से एक साथ रह कर दुनिया को आध्यात्मिकता की शिक्षा प्रदान करते हैं। यहाँ पर अनेकता में एकता है और भाईचारा है, ... शेष पेज 11 पर..

ज्ञानसरोवर। ब्र.कु. बृजमोहन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए। साथ हैं इंद्रबहादुर,सांसद नेपाल, ब्र कु.आशा, अमर प्रसाद सत्पथी, ब्र.कु.शारदा तथा अन्य।